पत्र संख्या– 6(स0) अभि॰ महा॰(भूमि आवंटन)–30 / 2018 854

बिहार सरकार
उद्योग विभाग,

प्रेषक,

रंजन कुमार सिन्हा,
उप उद्योग निदेशक,
उद्योग विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

श्री नीतीश मिश्रा
माननीय सदस्य,
बिहार विधान सभा, पटना।

पटना–15, दिनांक– 23-02-21

विषयः– बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत बंद पड़े पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण के संबंध में।

प्रसंग :– भवदीय पत्रांक 07 / 2021 दिनांक 04.01.2021

महाशय,

उपर्युक्त विषयक भवदीय प्रासंगिक पत्र के आलोक में कहना है कि मधुबनी जिला अंतर्गत पंडौल सहकारिता सूत मिल की स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी, एवं व्यवसायिक उत्पादन 1987 में शुरू हुई थी। मिल की उत्पादन क्षमता 750 किलोग्राम प्रति दिन थी। उक्त मिल वर्ष 2000 में बंद हो गया। मिल का भवन जर्जर एवं मशीन तथा साज–सज्जा क्षतिग्रस्त है। मिल की लगभग 23.3 एकड़ भूमि में से 7.5 एकड़ भूमि इन्जीनियरिंग कॉलेज की स्थापना हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को आवंटित किया जा चुका है । शेष 15.80 एकड़ भूमि बियाडा के वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसपर अन्य उद्योग स्थापित किया जा सकेगा। सूत मिल को पुनः प्रारंभ करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

कृपया सूचनार्थ।

विश्वासभाजन

23.2.21

उप उद्योग निदेशक,
उद्योग विभाग, बिहार, पटना।

23.2.21

Renu Devi
Deputy Chief Minister
Bihar

Govt. of Bihar

Industries Department
Vikash Bhawan, Patna - 800 015
Mobile : +91 94312 12004
Phone : +91 - 0612 - 2215 431 (O)
Fax : +91 - 0612 - 2215 430 (O)
Email : minister.ind-bih@gov.in

Ref. : 58

Date : 15/01/2021

प्रिय भाई श्री नीतीश जी,

भवदीय पत्रांक– 07 / 2021 दिनांक–04.01.2021 को गै0सं0प्रे0सं0– 33 दिनांक– 11.01.2021 द्वारा अपर मुख्य सचिव, उद्योग विभाग, बिहार, पटना को समुचित कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

सादर।

भवदीय,

रेणु देवी

(रेणु देवी)

सेवा में,

श्री नीतीश मिश्रा,
पूर्व मंत्री,
112, कौटिल्य नगर,
जिला–पटना–800004.

नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

पत्रांक-07/2021
दिनांक-04/01/2021

सेवा में,

माननीया उपमुख्यमंत्री सह मंत्री
उद्योग विभाग,
बिहार, पटना

विषयः– **बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत बंद पड़े पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण के संबंध में।**

बिहार का मिथिला क्षेत्र मधुबनी पेटिंग एवं मखाना के लिए विश्व प्रसिद्ध है। बिहार में उद्योग की संभावनाओं को विकसित करने के उद्येश्य से उत्तर बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत पंडौल सूत मिल की स्थापना 1982 में की गयी, जिसका परीक्षण उत्पादन 1986 एवं व्यावसायिक उत्पादन 1987 में शुरू हुई। 25 एकड़ जमीन में स्थापित हुई यह मिल की क्षमता 250 टन, सूत बनाने की क्षमता 750 कि0ग्रा0 प्रतिदिन थी। इस मिल में 750 व्यक्ति को रोजगार मिला हुआ था। सूता 40 काउंट से 120 काउंट प्रकार के थे। इसके बिक्री केन्द्र पंडौल, मधुबनी के साथ अन्य जगहो पर था। पंडौल सूत मिल पूरी तरह कार्यरत था लेकिन 90 के दशक में यह मिल बद हो गया।

यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर भारत" की परिकल्पना को साकार करने, एवं बिहार में उद्योग विकसित करने के लिए पंडौल सूत मिल का पुनरूद्धार जनहित में आवश्यक है। यहाँ बहुतायत जमीन, भवन, यंत्र बेकार पड़े है तथा रोजगार भी समाप्त है।

मिथिला के उद्योग विहीन 12 जिलों यथा सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुर, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, कटिहार में उद्योग की अपार संभावनाओं के तहत पंडौल सूत मिल को पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण करना "आत्मनिर्भर भारत" के लिए एक मिशाल कायम करेगा।

अतः अनुरोध है कि मिथिला के औद्योगीकरण की संभावनाओं को साकार करने हेतु मधुबनी जिलान्तर्गत पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण हेतू आवश्यक कार्रवाई करना चाहेंगी।

नव वर्ष की मंगलकामनाओं के साथ!

भवदीय,

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 4.1.2021

Aftab
05/01/2021

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com